

पर्यावरण संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कानून बनाने के लिए क्या प्रयास किये गए हैं?(What steps has been taken for the formation of International Law regarding environmental protection.)

पर्यावरण एक विश्वव्यापी सम्पत्ति है। इसमें दिन प्रतिदिन आ रही कमी एक विश्वव्यापी समस्या बनी हुई है। इसका समाधान कोई भी अकेला व्यक्ति, संस्था या देश नहीं कर सकता। इस समस्या पर नियंत्रण पाने के लिए सभी देशों को सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। इस बारे में विश्व स्तर पर कुछ सम्मेलन हुए जिसका वर्णन इस प्रकार है--

#### 1. स्टाकहोलम सम्मेलन 1972

स्वीडन के कुछ दार्शनिकों ने 1968 में संयुक्त राष्ट्र संघ का पृथ्वी का पर्यावरण की सन्तुलित स्थिति के प्रति ध्यान केन्द्रित किया। स्वीडन के शहर स्टाकहोलम में 5 से 16 जून 1972 को एक सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में पर्यावरण की प्रदूषण की समस्या को जानने, इसका समाधान करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और समझौते की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसलिए प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस सम्मेलन में 26 मार्गदर्शक सिद्धान्तों और 109 विशेष सिफारिशों को अपनाया गया। इन सिद्धान्तों और सिफारिशों के अधीन निम्नलिखित मुख्य व्यवस्थाएँ की गईं--

1. स्वच्छ पर्यावरण में घूमने का प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है इसमें बृद्धि की जाय।
2. प्रदूषण और परिस्थितिक गड़बड़ और श्रोतों की समाप्ति के कारण पर्यावरण पर दबाव बढ़ा है।
3. गैर-नवीनीकरण श्रोतों का प्रयोग इस ढंग से किया जाय ताकि उसकी समाप्ति न हो सके।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए संयुक्त राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यक्रम की स्थापना की गई। इस संस्था ने कार्यवाही के लिए 1989 में निम्नलिखित विश्व पर्यावरण की समस्याओं की पहचान की--

1. समताव वायुमंडल में ओजोन की सुरक्षा।
2. जलवायु परिवर्तन को रोकना।
3. जल प्रदूषण को रोकना और शुद्ध जल उपलब्ध कराना।
4. समुद्रीय और तटीय क्षेत्रों को प्रदूषण से बचाना।
5. भूमि श्रोतों की समाप्ति और गिरावट होने से सुरक्षा करना।
6. जैविक विभिन्नता की सुरक्षा।
7. मानवीय स्वास्थ्य और जीवन की श्रेष्ठता की सुरक्षा करना आदि।

#### नेरोबी सम्मेलन, 1982--

1982 में संयुक्त राष्ट्र संघ का नेरोबी में पर्यावरण पर एक सम्मेलन हुआ, जिसको नेरोबी सम्मेलन का नाम दिया जाता है। इस सम्मेलन में विश्व पर्यावरण 1972-82 नाम की एक रिपोर्ट को स्वीकार किया गया। इसमें पर्यावरण के प्रदूषण सम्बन्धी विषयों पर विचार विमर्श किया गया।

#### 3. रियो शिखर सम्मेलन 1992 ---

संयुक्त राष्ट्र संघ ने ब्राजील में रियो डी जनेरियो में 3 से 14 जून, 1992 तक हमारे साझे भविष्य को आगे बढ़ाने के लिए पृथ्वी शिखर सम्मेलन को बुलवाया गया। इसमें 115 राज्यों के अध्यक्षों ने भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में 6 विषयों को ग्रहण किया गया।

1. ग्रीन हाउस गैस निकास।
2. वन।
3. जनसंख्या।
4. वित्त (विश्व पर्यावरण सुविधा)

इस पृथ्वी शिखर सम्मेलन में रियो घोषणा और एजेंडा 21 को निरन्तर विकास के लिए योजना के रूप में अपनाया गया।

#### 4. किओटो शिखर सम्मेलन 1997 ---

आगे, धन्यवाद।